वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय

उधना मगदल्ला रोड, सूरत - 395007 गुजरात (भारत)
फोन नंबर। +91-261-2227141-46
हेल्प लाइन नं. +91-261-2388888 टोल फ्री: 1800 2333 011
ईमेल: info@vnsgu.ac.in वेबसाइट : www.vnsgu.ac.in

दीक्षांत समारोह
में
भारतीय परंपरा

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय

उधना मगदल्ला रोड, सूरत - 395007 गुजरात (भारत)
फोन नंबर। +91-261-2227141-46
हेल्प लाइन नं. +91-261-2388888 टोल फ्री: 1800 2333 011
ईमेल: info@vnsgu.ac.in वेबसाइट : www.vnsgu.ac.in

माननीय कुलपति श्री किशोरसिंह चावडा का विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में भारतीय परंपरा पर संदेश (चलचित्र)

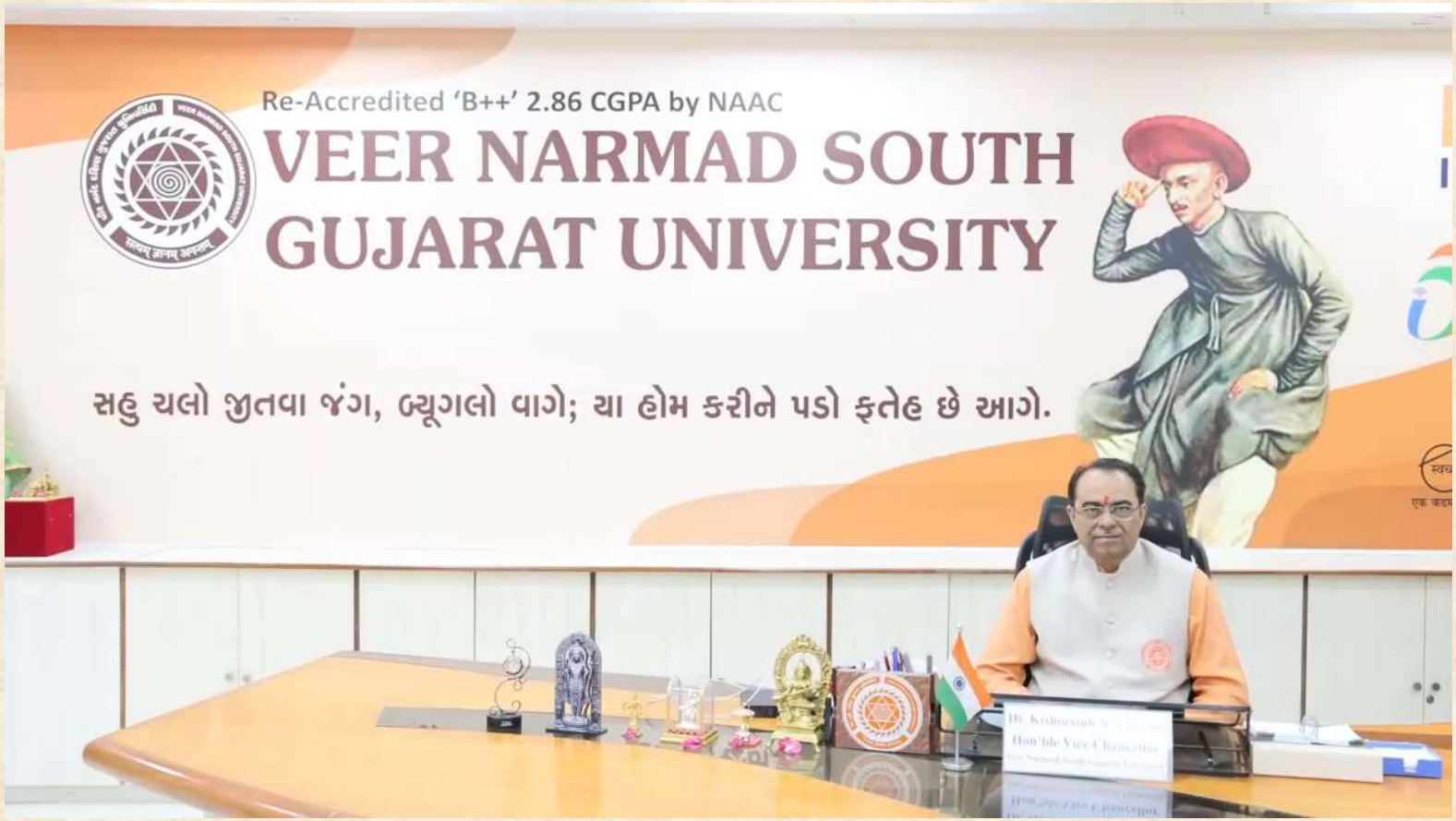

विश्वविद्यालय परिचय:

- वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सूरत की स्थापना गुजरात सरकार द्वारा सन् 1965 में विश्वविद्यालय अधिनियम पारित करके किया गया।
- सन् 1968 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) द्वारा मान्यता दी गई।
- दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय के नाम से पहचानी जाने वाली इस विश्वविद्यालय को सन् 2004 में गुजरात सरकार ने सूरत के मूर्धन्य साहित्यकार और देश के विख्यात सुधारक वीर कवि नर्मदाशंकर लालशंकर दवे के नाम के साथ जोड़ कर 'वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय' नाम किया है।
- राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (NAAC) द्वारा वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय को सन् 2017 में 'A' ग्रेड तथा सन् 2022 में पुनर्मूल्यांकन में 'B++' ग्रेड (2.86 सीजीपीए) प्राप्त हुआ।
- विश्वविद्यालय को Knowledge Consortium of Gujarat (KCG), शिक्षा विभाग, गुजरात सरकार द्वारा विश्वविद्यालय को GSIRF में Four Star से सम्मानित किया गया है।
- विश्वविद्यालय ISO 9001:2015 और 14001:2015 मान्यता प्राप्त है।

विश्वविद्यालय परिचय:

- वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय सूरत के अन्तर्गत गुजरात प्रदेश के सात जिले जैसे नवसारी, वलसाड, नर्मदा, डांग, भरूच, तापी के महाविद्यालय आते हैं । इसके अतिरिक्त दो केंद्र शासित प्रदेश - दादरा- नगर हवेली और दमन के भी महाविद्यालय जुड़े हैं।
- इस विश्वविद्यालय से 40 सरकारी महाविद्यालय , 58 अनुदान प्राप्त महाविद्यालय, 152 स्व-सहायता महाविद्यालय जुड़े हुए हैं। स्नातकोत्तर स्तर पर शिक्षा प्रदान करने वाले लगभग 56 महाविद्यालय हैं।
- इस विश्वविद्यालय का विशाल परिसर 210 एकड़ में फैला हुआ है।
- इस परिसर में 27 स्नातकोत्तर विभाग, 5 स्नातक विभाग सक्रिय हैं।
- यहां 21 विभिन्न विषयों में स्नातक और 109 स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं।
- इस परिसर में प्रतिदिन 6000 से अधिक छात्र नियमित रूप से सुशिक्षित व संस्कारित आचार्यों से मार्ग दर्शन प्राप्त करते हैं ।
- छात्रों को 11 संकायों में प्रवेश दिया जाता है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020

- विश्वविद्यालय ने सक्रिय रूप से राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 को लागू किया।
- **वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय (वीएनएसजीयू) ने छात्रों के पंजीकरण और अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट (एबीसी) के पोर्टल पर क्रेडिट अपलोड करने के लिए भारत में अग्रणी विश्वविद्यालय होने का गौरव प्राप्त हुआ ; परिणाम स्वरुप विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ किशोरसिंह चावडा को केन्द्रीय शिक्षा मंत्री माननीय धर्मेन्द्र प्रधान के कर कमलों से श्रीराममंदिर स्मृति चिन्ह भेंट करके सम्मानित किया गया ।**
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अधिकांशतः सभी पहलुओं को विश्वविद्यालय के पटल पर उतारा गया है जैसे कि मल्टी डिसिप्लिनरी अर्थात् विविध क्षेत्रीय विषयों का चयन, सामान्य सत्र अर्थात् ग्रीष्म कालीन सत्र के अतिरिक्त शीत कालीन सत्र की व्यवस्था करके दोहरी प्रवेश नीति अर्थात् डबल इंट्री सिस्टम अपनाकर उच्च शिक्षा को बढ़ावा दिया गया, विद्यार्थियों की अनुकूलतानुसार परीक्षा अर्थात् ऑन द डिमांड इक्सॉम देने की सुविधा उपलब्ध करवाकर , स्वतंत्र रूप से किसी भी विद्यालय में स्थानांतरण करने की सुविधा उपलब्ध करवाकरविश्वविद्यालय में एकाधिक प्रवेश और निकास नीति, क्रेडिट हस्तांतरण नीति तथा दोहरी डिग्री नीति को अपनाकर विद्यार्थियों में ज्ञान के अथाह सागर को प्रवाहित किया गया है ।
- भारतीय ज्ञान प्रणाली को बढ़ावा देने के लिए, विश्वविद्यालय में ' हिन्दू अध्ययन केंद्र ' की स्थापना करके एम.ए. हिन्दू स्टडीस स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम शुरू किया गया है। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय में विभिन्न बहु-विषयक भारतीय ज्ञान परंपरा, मूल्य आधारित, कौशल विकास प्रशिक्षण आधारित, प्रमाण पत्र, डिप्लोमा व डिग्री (स्नातक तथा स्नातकोत्तर) स्तर का पाठ्यक्रम प्रारम्भ किया गया है।
- **शिक्षण मंत्रालय, न्यू दिल्ली ने पूरे देश की 26 और गुजरात राज्य की केवल 2 विश्वविद्यालयों मे वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय (वीएनएसजीयू) को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (PM-USHA) में Multi-Disciplinary Education and Research Universities (MERU) योजना के तहत Rs.100 करोड़ का अनुदान मंजूर किया गया है ।**

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020

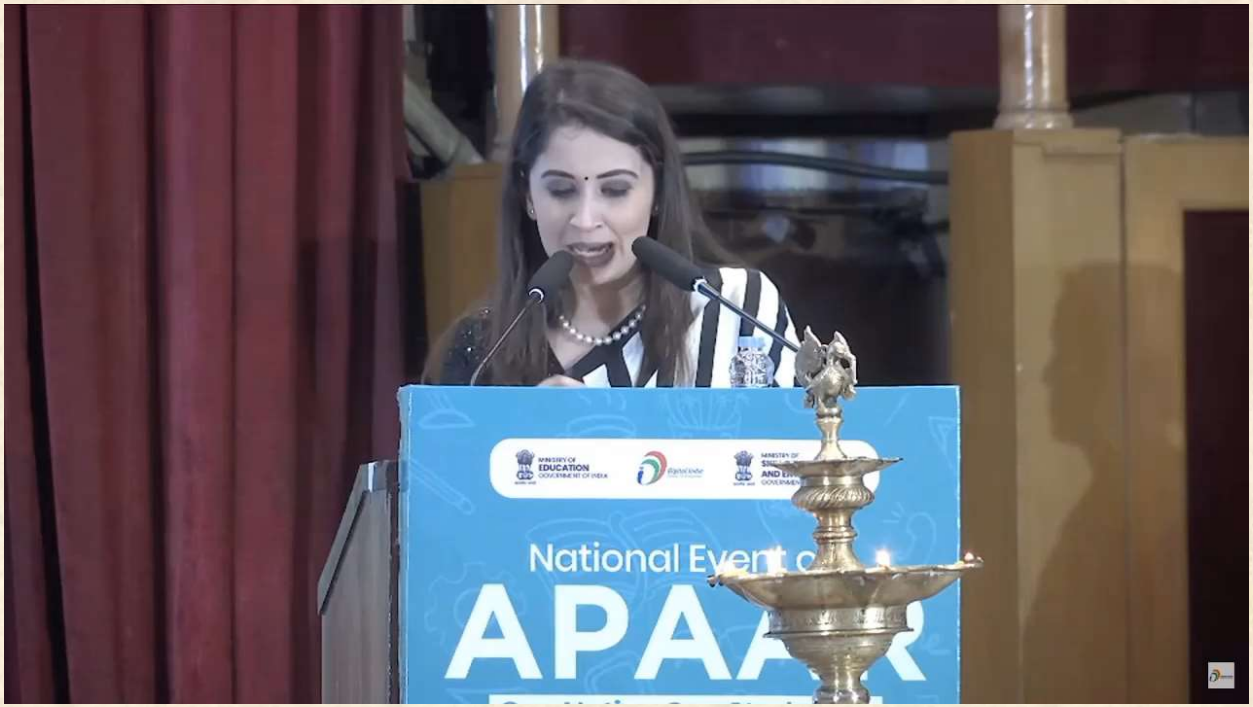

विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ किशोरसिंह चावडा को केन्द्रीय शिक्षा मंत्री माननीय धमेन्द्र प्रधान के कर कमलों से एबीसी के पोर्टल पर भारत में सर्वाधिक क्रेडिट अपलोड करने के हेतु श्रीराममंदिर स्मृति चिन्ह भेंट करके सम्मानित किया गया। (चलचित्र)

दीक्षांत समारोह में भारतीय परंपरा

- दीक्षान्त समारोह गुरुकुलीय व्यवस्था का एक बहुत ही महत्त्वपूर्ण अंग होता है ।
- शिक्षा काल के अन्तिम पड़ाव में दीक्षा के रुप में विद्यार्थियों को सामाजिक जीवन यापन करने के लिए कुछ संकल्प दिलाया जाता है।
- गुर्जर नगरी के प्रसिद्ध क्रान्तिकारी कवि वीर नर्मद के नाम को सार्थक करते हुए 'वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय सूरत ' के विद्यार्थियों को ' तत् कर्म यन्न बंधाय सा विद्या या विमुक्तये 'अर्थात् ' कर्म वही है जो बंधन में ना बांधे तथा विद्या वही है जो मुक्त रखे ' का मंत्र देने के लिए एकत्रित होते हैं।
- विद्यार्थियों को देव ऋण, पितृ ऋण तथा गुरु ऋण से उऋण होने का मंत्र भी दिया जाता है ; वैसे तो इसका क्रम विश्वविद्यालय में प्रवेश करने के प्रथम दिवस से ही प्रारम्भ हो जाता है जब वे विश्वविद्यालय के मूलमंत्र 'सत्यं ज्ञानम् अनन्तम् ' से जुड़ते हैं।

दीक्षांत समारोह में भारतीय परंपरा

- **हमारा विश्वविद्यालय भारतीय परम्परा को अपनाते हुए गत दो वर्षों के चार दीक्षांत समारोह को आयोजित कर रहा है ।**
- विश्वविद्यालय ने भारतीय प्राचीन सांस्कृतिक परंपरा को बढ़ावा देने के लिए सरस्वती एवं गणपति वंदना, अग्निहोत्र, तैत्तिरीय उपनिषद शिक्षावल्ली आचार्य उपदेश, वैदिक राष्ट्रगान को दीक्षांत समारोह का एक अभिन्न अंग बनाया है।
- प्रकृति संरक्षण करने के उद्देश्य से औषधीय गुणों से युक्त उपले से अग्निहोत्र
- शंख उद्घोष करके अतिथि गण का विश्वविद्यालय के प्राण्गड़ में स्वागत
- कुमकुम रोली अक्षत से स्वागत और शुभाशीष, औषधीय गुणों से युक्त तुलसी पौधा और यज्ञोपवित देकर अतिथि सत्कार
- अतिथि भेंट में अयोध्या धाम श्रीराम मंदिर का स्मृति चिन्ह
- कुलगुरु का संस्कृत में सम्भाषण
- सनातनीय परिधान को प्राथमिकता देते हुए

  देश की आन खादी
  देश की बान अंगवस्त्र
  देश की शान पगड़ी

दीक्षांत समारोह

माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री आचार्य देवव्रत जी को गार्ड ऑफ ओनर देते हुए सुरक्षा कर्मी

माननीय अतिथिगण का मंत्रोच्चार और शंखनाद से स्वागत

दीक्षांत समारोह

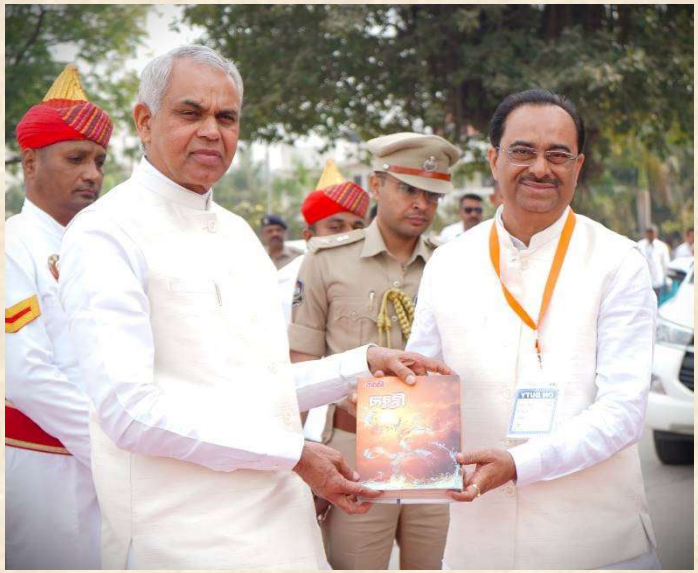

55वे दीक्षांत समारोह में माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री आचार्य देवव्रत जी को सनातनीय संस्कृति की परिचायक 'हिन्दुत्व' नामक पुस्तक भेंट करके स्वागत करते हुए कुलपति श्री किशोरसिंह चावडा

54वे दीक्षांत समारोह में माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री आचार्य देवव्रत जी को औषधीय गुणों से युक्त तुलसी पौधा देकर स्वागत करते हुए कुलपति श्री किशोरसिंह चावडा

दीक्षांत समारोह

माननीय अतिथिगण का कुमकुम रोली अक्षत से तिलक कर स्वागत करते हुए

माननीय अतिथिगण का मंत्रोंचार और शंखनाद से स्वागत करते हुए

55वां दीक्षांत समारोह

रंगोली से सुशोभित ऑडिटोरीअम

रंगोली से सुशोभित ऑडिटोरीअम

55वां दीक्षांत समारोह

भारतीय परंपरागत परिधान में माननीय मंचस्थ महानुभाव

अग्निहोत्र प्रज्ज्वलित करते हुए माननीय मंचस्थ महानुभाव

55वां दीक्षांत समारोह

प्रकृति संरक्षण करने के उद्देश्य से औषधीय गुणों से युक्त उपले से अग्निहोत्र प्रज्ज्वलित करने के साथ ऋषि कुमार द्वारा तैत्तिरीय उपनिषद के शिक्षावल्ली आचार्य उपदेश का पठन

अग्निहोत्र प्रज्ज्वलित करने के साथ पंडितजी द्वारा शंख नाद

55वां दीक्षांत समारोह

माननीय अतिथिगण द्वारा अग्निहोत्र प्रज्ज्वलित करने के साथ ऋषि कुमार द्वारा तैत्तिरीय उपनिषद के शिक्षावल्ली आचार्य उपदेश का पठन और पंडित जी द्वारा शंखनाद (चलचित्र)

55वां दीक्षांत समारोह

माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री आचार्य देवव्रत जी को अयोध्या धाम श्रीराम मंदिर का स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए कुलपति श्री किशोरसिंह चावडा

माननीय शिक्षा मंत्री श्री प्रफुल पानशेरिया जी को अयोध्या धाम श्रीराम मंदिर का स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए कुलपति श्री किशोरसिंह चावडा

55वां दीक्षांत समारोह

कुलगुरु श्री किशोरसिंह चावडा का संस्कृत में सम्भाषण (चलचित्र)

55वां दीक्षांत समारोह

विभिन्न संकायाध्यक्षों की ओर से प्रस्तुत निवेदन से कुलाधिपति श्री व राज्यपाल महोदय आचार्य देवव्रत श्री की अनुमति देने के लिए आग्रह करते हुए

कुलसचिव कुल पदवी देने की उद्घोषणा करते हुए

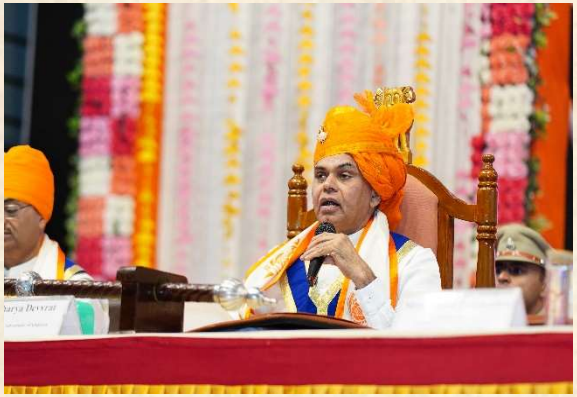

माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री आचार्य देवव्रत जी संकायाध्यक्षों की अनुसंशा को अनुमोदित करते हुए

55वां दीक्षांत समारोह

भारतीय परिधान में पदवी ग्रहण करने के लिए उपस्थित विद्यार्थीगण

भारतीय परिधान में पदवी ग्रहण करने के लिए उपस्थित विद्यार्थीगण

55वां दीक्षांत समारोह

भारतीय परिधान में पदवी ग्रहण करते हुए विद्यार्थीगण

भारतीय परिधान में पदवी ग्रहण करते हुए विद्यार्थीगण

54वां दीक्षांत समारोह

वैदिक और संवैधानिक राष्ट्र गान से दीक्षांत समारोह की पूर्णाहुति (चलचित्र)

आभार

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय

उधना मगदल्ला रोड, सूरत - 395007 गुजरात (भारत)
फोन नंबर। +91-261-2227141-46
हेल्प लाइन नं. +91-261-2388888 टोल फ्री: 1800 2333 011
ईमेल: info@vnsgu.ac.in वेबसाइट : www.vnsgu.ac.in